बरेली, सोमवार
1 अप्रैल, 2024
नगर संस्करण
पृष्ठ 7.00
पृष्ठ 14

दैनिक जागरण
inext

PAGE NO. 06 : MIDDLE

खिलजी के दांत से रूम सजाने की चाहत

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (31 March): श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में संडे को नाटक 'खिलजी का दांत' का मंचन हुआ. स्वर्गीय केपी सक्सेना लिखित और विनायक कुमार श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित हास्य और व्यंग से भरे इस नाटक ने दर्शकों को बहुत हंसाया. यह भी सोचने पर मजबूर किया कि हमारे समाज में किस किस तरह के लोग हैं. नाटक का मुख्य पात्र फिरदौसी है. हड़प्पा हाउस नामकी उसकी कबाड़ी की दुकान है, जहां वह अपने साले फाहियान के साथ पुराने और एंटीक सामान बेचता है.

● कलाकारों ने अपने अभिनय से किया खूब मनोरंजन.

महंगे दाम पर खरीदा

एक रोज उसकी दुकान में मिसेज पालकीवाला आती हैं. अपने ही अंदाज में वह वहां खिलजी का एक दांत मांगती है. क्योंकि पड़ोस में रहने वाली उसकी सहेली मिसेज झुनझुनवाला इसी दुकान से खिलजी का दांत मंहगे दाम में खरीद कर ले गयी है. इसीलिए मिसेज पालकीवाला भी दांत खरीदने की बात करती हैं, क्योंकि उसे भी मिसेज झुनझुनवाला की तरह अपने ड्रइंग रूम में खिलजी का दांत लगाना है. वह हड़प्पा हाउस में दांत का ऑर्डर देती हैं. कुछ समय बात एक नेता उसी दुकान पर यानि हड़प्पा हाउस आता है. उसके साथ उसका साला भी है. वह भी खुद को छोटा नेता मानता है. दोनों नेताओं और फिरदौसी और फाहियान की बात और हरकतें हास्य पैदा करती है. मिसेज पालकीवाला और मिसेज झुनझुनवाला पुलिस इंस्पेक्टर और हवलदार के साथ गुस्से में आती हैं.

नकली होने का चला पता

उन्हें पता चल जाता है वो दांत नकली है, जो खिलजी का दांत बोल कर उन्हें बेचा गया था. इंस्पेक्टर के हड़काने पर फिरदौसी और फाहियान अपनी गलती मानते हैं और हड़प्पा हाउस को खोलने की वजह अपनी गरीबी और परिस्थिति को बताते है. दोनों ही जेल चले जाते है. जेल जाने से पहले दोनों घर सजावट के लिए एंटीक सामान खरीदने के लिए लोग किस हद तक जा सकते हैं और क्या क्या कर सकते है, आइना दिखाते हैं. संजय सक्सेना (फिरदौसी), पंकज कुकरेती (फाहियान), सोनालिका सक्सेना तनु मिश्रा आदि ने अपनी भूमिकाओं को संजीदगी से निभाया. इस मौके पर ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, उषा गुप्ता, सुभाष मेहरा, गिरिधर गोपाल खंडेलवाल, डॉ. प्रभाकर गुप्ता व डॉ. मनोज रहे.